



राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आवास परिसरों का उद्घाटन किया

Posted On: 29 NOV 2017 1:55PM by PIB Delhi

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज मिजोरम की राजधानी आईजोल में शहरी निर्धनों के लिए मिजोरम सरकार की आधारभूत सेवा योजना के अंतर्गत कमजोर वर्गों के लिए आवासीय परिसरों का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने कहा कि सभी के लिए आवास के साथ-साथ दिन प्रतिदिन बढ़ती शहरी जनसंख्या के लिए योजना का कार्य न केवल मिजोरम बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चुनौती है। यह केंद्र सरकार का प्रमुख केंद्रबिंदु है। गरीबों के लिए शहरी आधारभूत ढांचे के निर्माण की दिशा में कुछ उपलब्धियों को प्राप्त करने से वर्ष 2022 में स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगा। नवीन मिजोरम के बिना नवीन इंडिया का होना संभव नहीं है।

राष्ट्रपति श्री कोविंद ने कहा कि मिजोरम समाज की जीवटता सराहनीय है। मिजोरम राजनीतिक मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में संपूर्ण विश्व के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। वर्ष 1986 की मिजो संधि का सभी ने सम्मान किया और उग्रवाद का अंत हुआ। संधि के तहत सभी साझीदारों द्वारा राज्य और स्थानीय निवासियों के लिए शांतिपूर्ण कार्य करने पर सहमति बनी। यह वर्तमान समय का चमत्कार है। उन्होंने मिजोरम के लोगों के साथ-साथ गिरजाघरों, संबद्ध संगठनों, युवा और महिला समूहों, नागरिक समाज समूहों और राजनीतिक दलों को इस भाईचारे और सहयोग की भावना के लिए बधाई दी।

राष्ट्रपति श्री कोविंद ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में एक है। कृषि में नवाचार से लेकर डिजिटल अर्थव्यवस्था, उत्पादन से लेकर सेवा क्षेत्र में बढोत्तरी तक सफलता की कई गाथाएँ हैं। मिजोरम के युवा इस गाथा के अभिन्न अंग हैं। मिजोरम के युवाओं ने देश के अलग-अलग भागों में सूचना प्रौद्योगिकी, अतिथि सत्कार और अन्य सेवा क्षेत्र उद्योगों में अपनी पहचान बनाई है। उनका कार्य मिजोरम के लिए सराहनीय है। राज्य के युवाओं की शिक्षा और साक्षरता कौशल की हर जगह प्रशंसा हुई है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में साक्षरता दर 91 प्रतिशत है जो सच में प्रशंसा योग्य है। मिजोरम के युवा महिला एवं पुरुषों की मूल्य, मान्यताएँ, कार्यनीति, पेशेवराना अंदाज भी सराहना के योग्य है।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने कहा कि हमें मिजोरम के युवाओं से बहुत सी उम्मीदें हैं। वे मिजोरम और भारत के भविष्य का निर्माण करेंगे। वे जोखिम लेने वाले, उद्यमी, रोजगार सृजनकर्ता हैं जो हमारे भाग्य का सृजन करेंगे। मिजोरम में ओर भी अवसर सृजन की क्षमता है। मिजोरम अन्य पूर्वोत्तर राज्यों की तरह देश की एक्ट ईस्ट पॉलिसी की कुंजी है। इस नीति से व्यापार बढ़ेगा और सभी लाभान्वित होंगे। मिजोरम के पास देने के लिए बहुत कुछ है। उचित रूप से उगाने पर बांस एक अद्भुत फसल बन सकता है। मूल्य संवर्धन द्वारा इसका प्रयोग विभिन्न उत्पादों को बनाने और रोजगार के नए अवसर सृजन में किया जा सकता है। बागवानी भी बड़ी संभावनाओं वाला एक अन्य प्रमुख क्षेत्र है। मिजोरम में अन्नानास और पेशन फल की पैदावार बहुतायत में होती है। इनका बड़ा बाजार है। इसका स्थानीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में व्यापाक प्रयोग संभव है और इससे राज्य के निवासियों के अद्भुत पारंपरिक कौशल को प्रौद्योगिकी से जोड़ा जा सकता है।

वीके/पीकेए/एसके- 5666

(Release ID: 1511309) Visitor Counter : 19

